ऑज़ का जादूगर

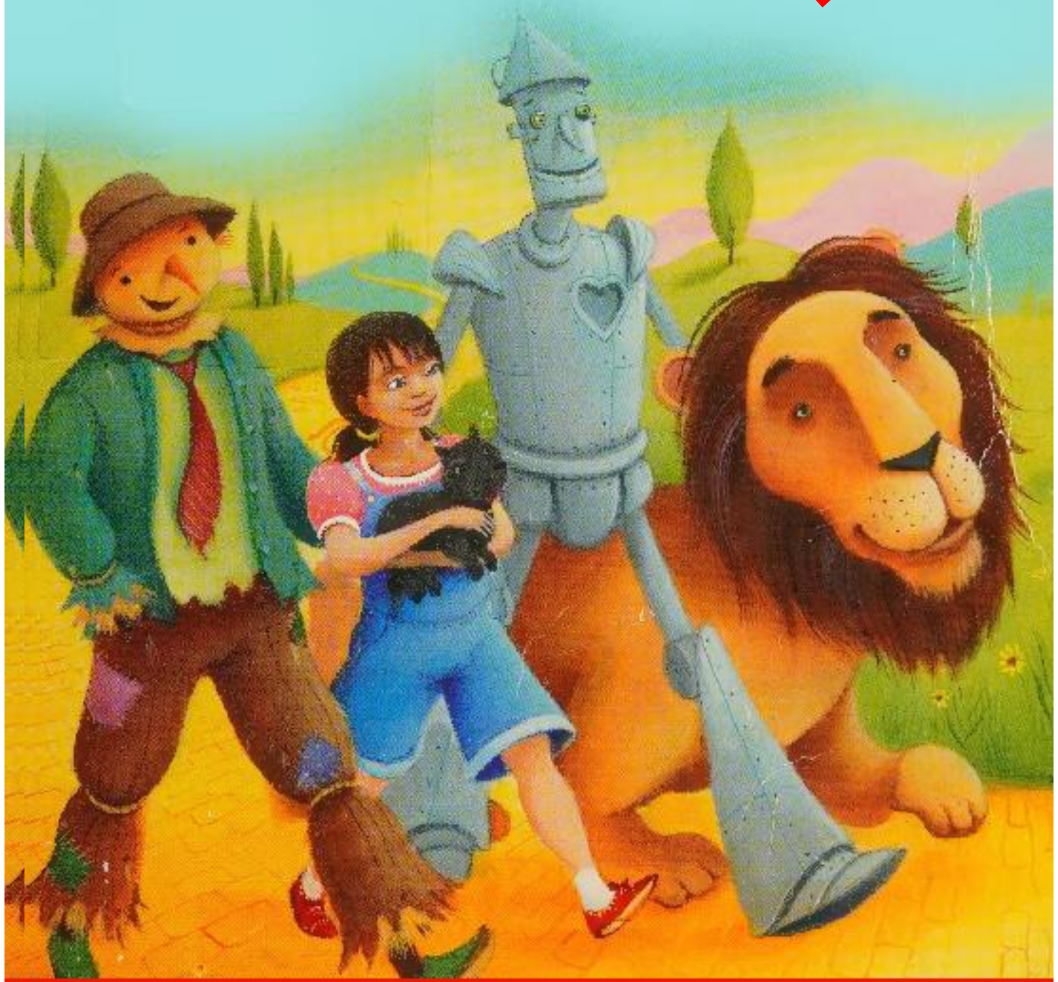

संशोधित लेखन: कोलीन डेगनन-वेनेस

चित्रः रिचर्ड जॉनसन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

ऑज़ का जादूगर

संशोधित लेखन: कोलीन डेगनन-वेनेस

चित्रः रिचर्ड जॉनसन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

चित्रों के शब्द

भयानक चुड़ैल

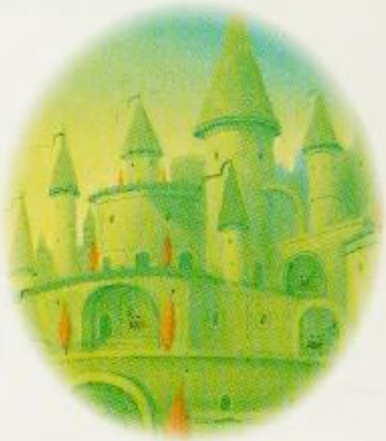

पन्ना नगर

पीली ईंटों का रास्ता

ऑज़ का जादूगर

पुआल

दिल

बाल्टी

टिन आदमी

बिजूका

बहुत सालों पहले एक छोटी लड़की थी
जिसका नाम डॉरथी था।
डॉरथी अमरीका के कैनसास राज्य में
एक खेत में रहती थी। वह अपनी मौसी, मौसा
और अपने छोटे कुत्ते टोटो के साथ रहती थी।

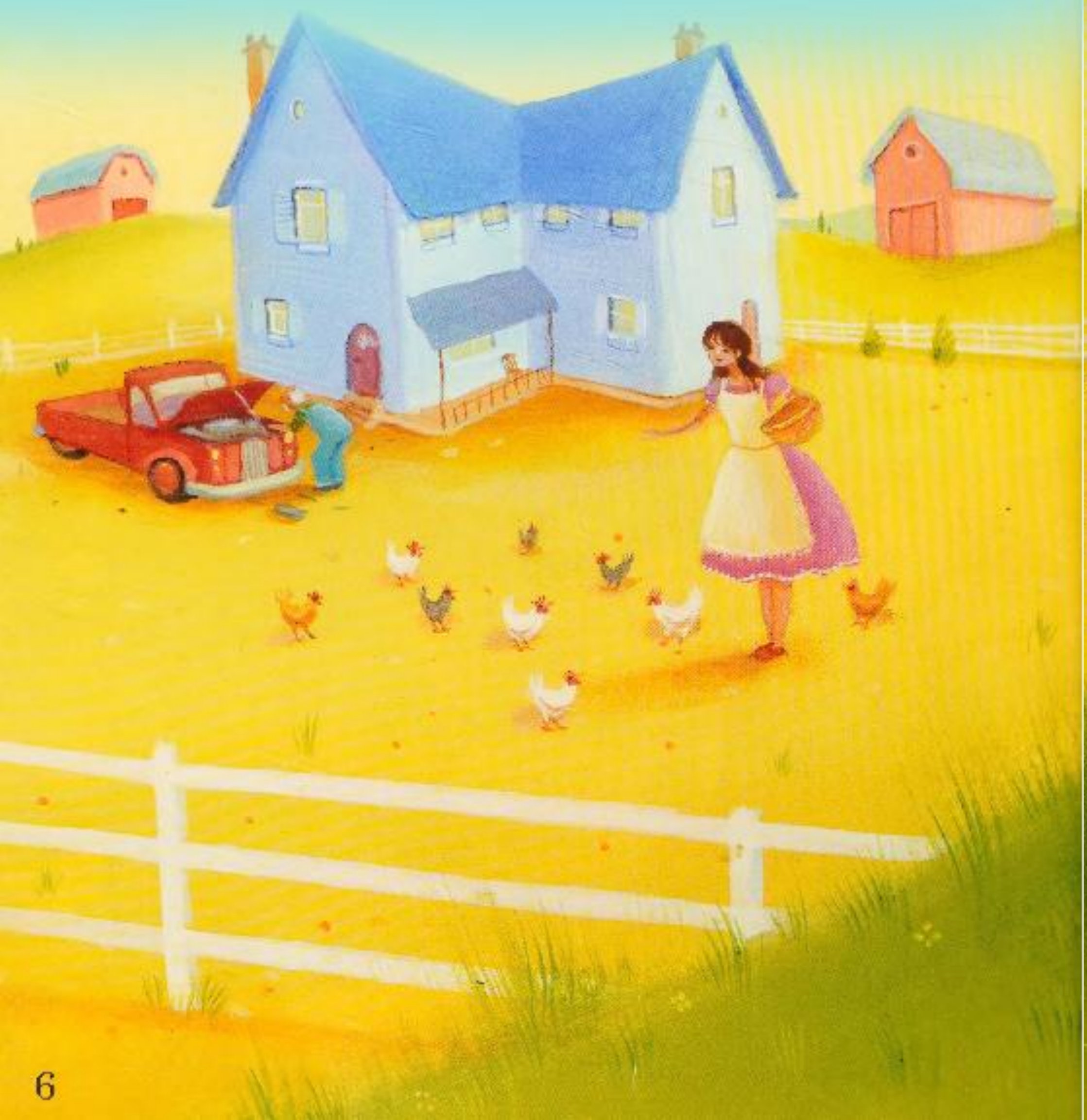

एक दिन डॉरथी की मौसी और मौसा
अपने खेत में काम कर रहे थे।
डॉरथी घर में टोटो के साथ खेल रही थी।
अचानक एक भारी तूफ़ान आया
जो घर को उड़ा ले गया।
डॉरथी घर के अन्दर थी
और बेहद डरी हुई थी।
"तूफ़ान हमें कहाँ ले जा रहा है?"
उसने अपने छोटे कुत्ते से पूछा।

घर एक ऐसे इलाके में जा
उतरा, जो फूलों से अटा था।
अचानक डॉरथी को
एक खूबसूरत महिला दिखी।
“मैं कहाँ हूँ,” उसने महिला से पूछा
“तुम ऑज़ के देश में हो,”
महिला ने कहा। “मैं तुम्हें देख
बेहद खुश हूँ। मैं भली चुडैल हूँ।”
इतना कह उसने भयानक चुडैल को मार
डालने के लिए डॉरथी को शुक्रिया अदा किया।।
“कौनसी भयानक चुड़ैल?”
डॉरथी ने जानना चाहा।

"अपने घर के नीचे देखो,"
भली चुड़ैल बोली।
डॉरथी ने घर के नीचे देखा।
उसे वहाँ एक चुड़ैल दिखी।
चुंडैल के पाँवों में दो जादुई जूते थे।
डॉरथी ने वे जूते पहन लिए।

"मैं कैनसास लौटना चाहती हूँ,"
डॉरथी ने कहा। "मैं वहाँ कैसे पहुँचूं,"
"तुम्हें ऑज़ के जादूगर से मिलना
होगा," भली चुड़ैल ने कहा। "वह
तुम्हारी मदद करेगा। वह पन्ना
नगर में रहता है। तुम्हें पीली ईंटों
के रास्ते से जाना होगा।"

"क्या आप मेरे साथ चलेंगी?" डॉरथी ने पूछा।

"नहीं," भली चुंडैल ने जवाब में कहा।
"पर तुम्हें जब भी मेरी ज़रूरत पड़ेगी,
मैं आ जाऊंगी।"

सो डॉरथी और टोटो
पीली ईंटों से बने रास्ते पर चल पड़े।
जल्द ही उन्हें एक अजीबोग़रीब आदमी
दिखा। उसकी टोपी के नीचे से पुआल झाँक रहा था।
“हलो, मैं बिजूका हूँ,” उसने कहा।
“तुम लोग कहाँ जा रहे हो?”
“हम पन्ना नगर जा रहे हैं,
ऑज़ के जादूगर से मिलने,” डॉरथी ने उसे बताया।

"मैं भी साथ चलूंगा," बिजूका बोला।
"मेरी खोपड़ी में पुआल भरा है।
मैं जादूगर से कहना चाहता हूँ कि वह
मुझे थोड़ा सा दिमाग दे दे, ताकि मैं सोच सकूं।"

सो डॉरथी, टोटो और बिजूका पीली ईंटों
से बने रास्ते पर आगे बढ़े।
जल्द ही उन्हें एक अजीब-सा आदमी मिला
जिसका सख़्त, सुरमई शरीर टिन से बना था।

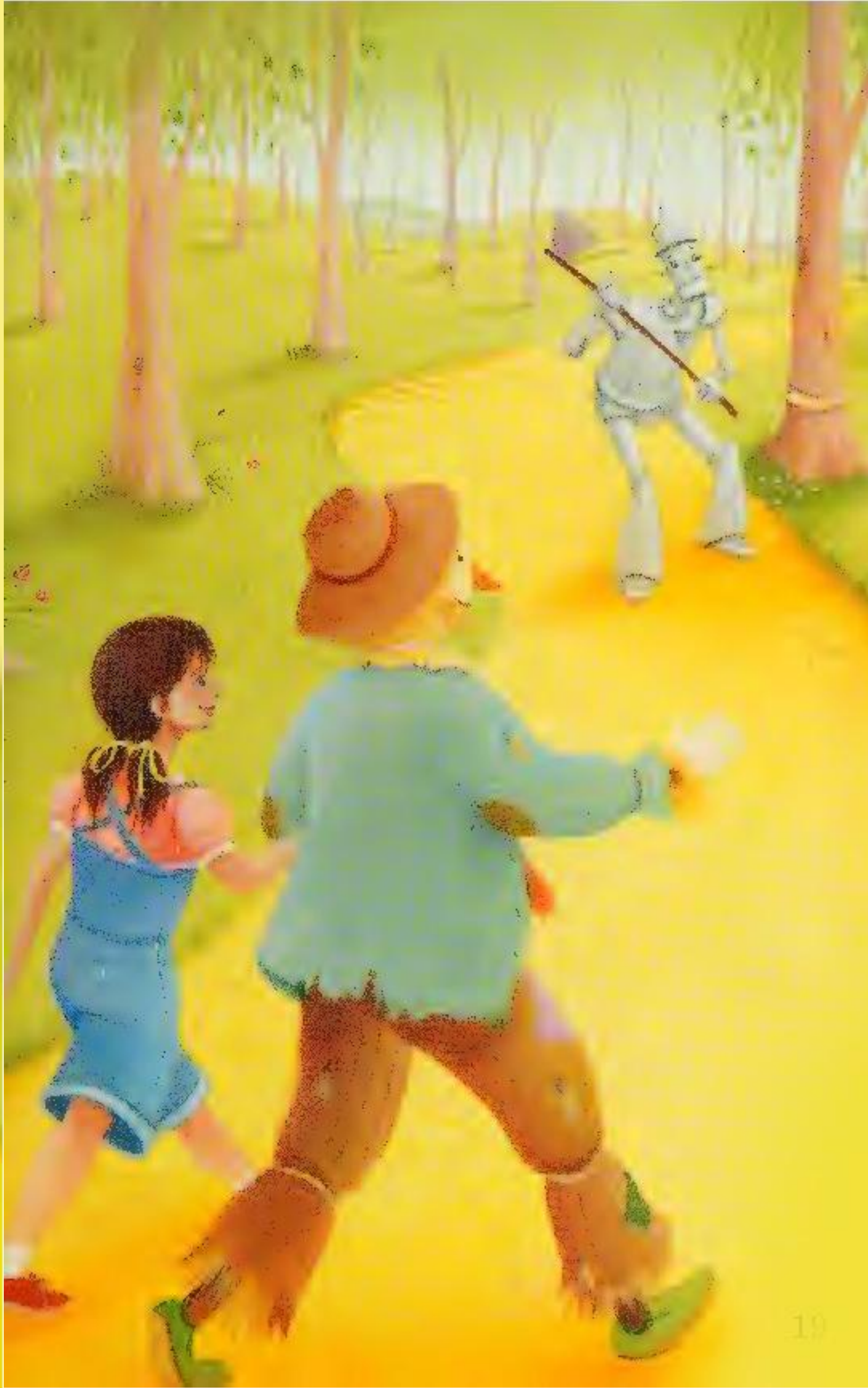

"हलो, मैं टिन आदमी हूँ," उसने कहा।
क्या तुम लोग ऑज़ के जादूगर
से मिलने जा रहे हो?"
"हाँ," डॉरथी ने जवाब दिया।
"क्या मैं भी तुम लोगों के साथ चल सकता हूँ?"
टिन आदमी ने पूछा। "मैं जादूगर से एक
दिल मांगना चाहता हूँ, ताकि
मैं किसीको प्यार कर सकूं।"
सो अब वे सब पीली ईंटों से
बने रास्ते पर फिर से बढ़ने लगे।

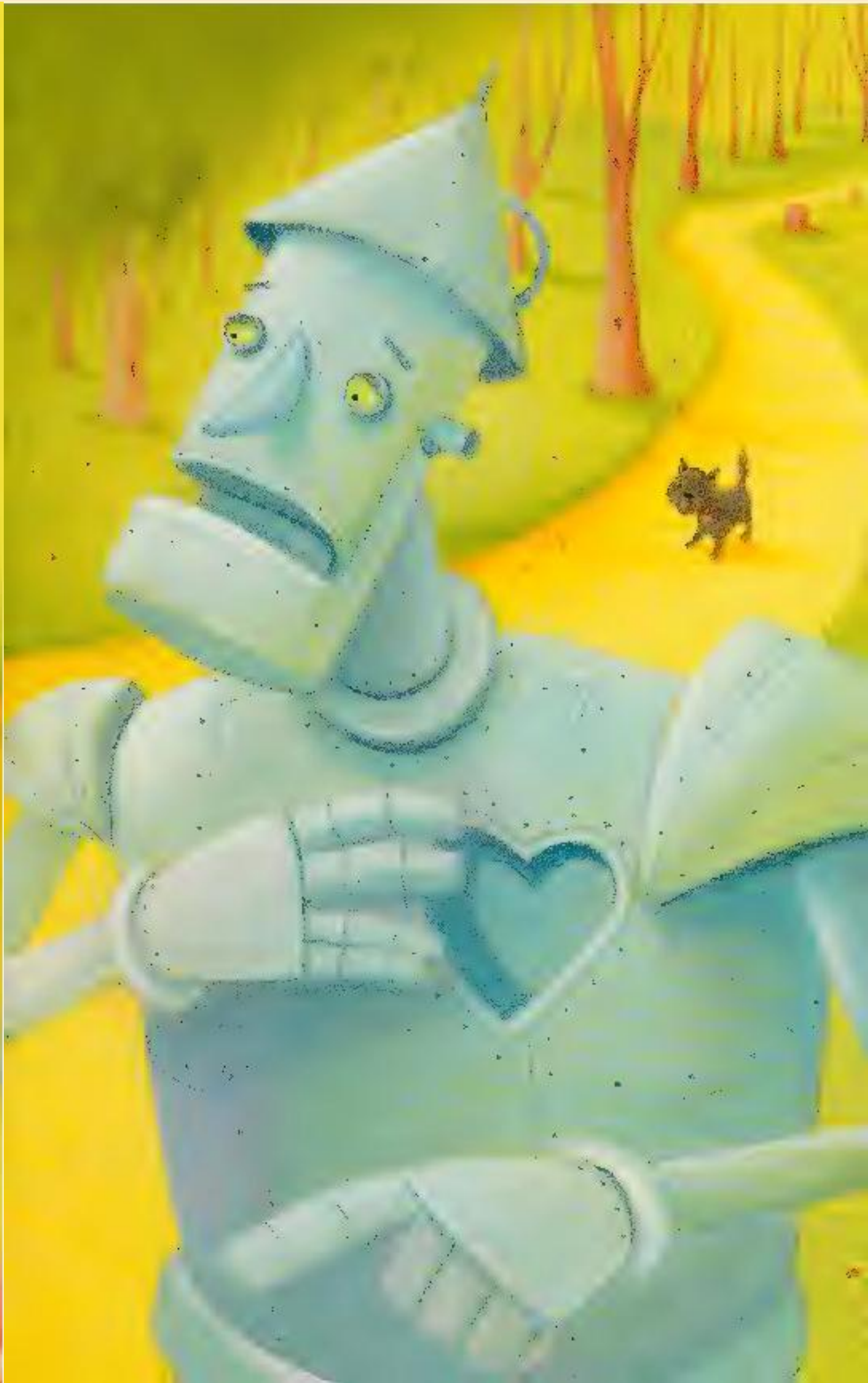

अचानक एक नाराज़ शेर कूदा
और उनके सामने आ खड़ा हुआ।
"तुम सब कहाँ जा रहे हो?"
शेर ने सवाल किया।
"हम पन्ना नगर जा रहे हैं।
ऑज़ के जादूगर से मिलने,"
डॉरथी ने बताया।

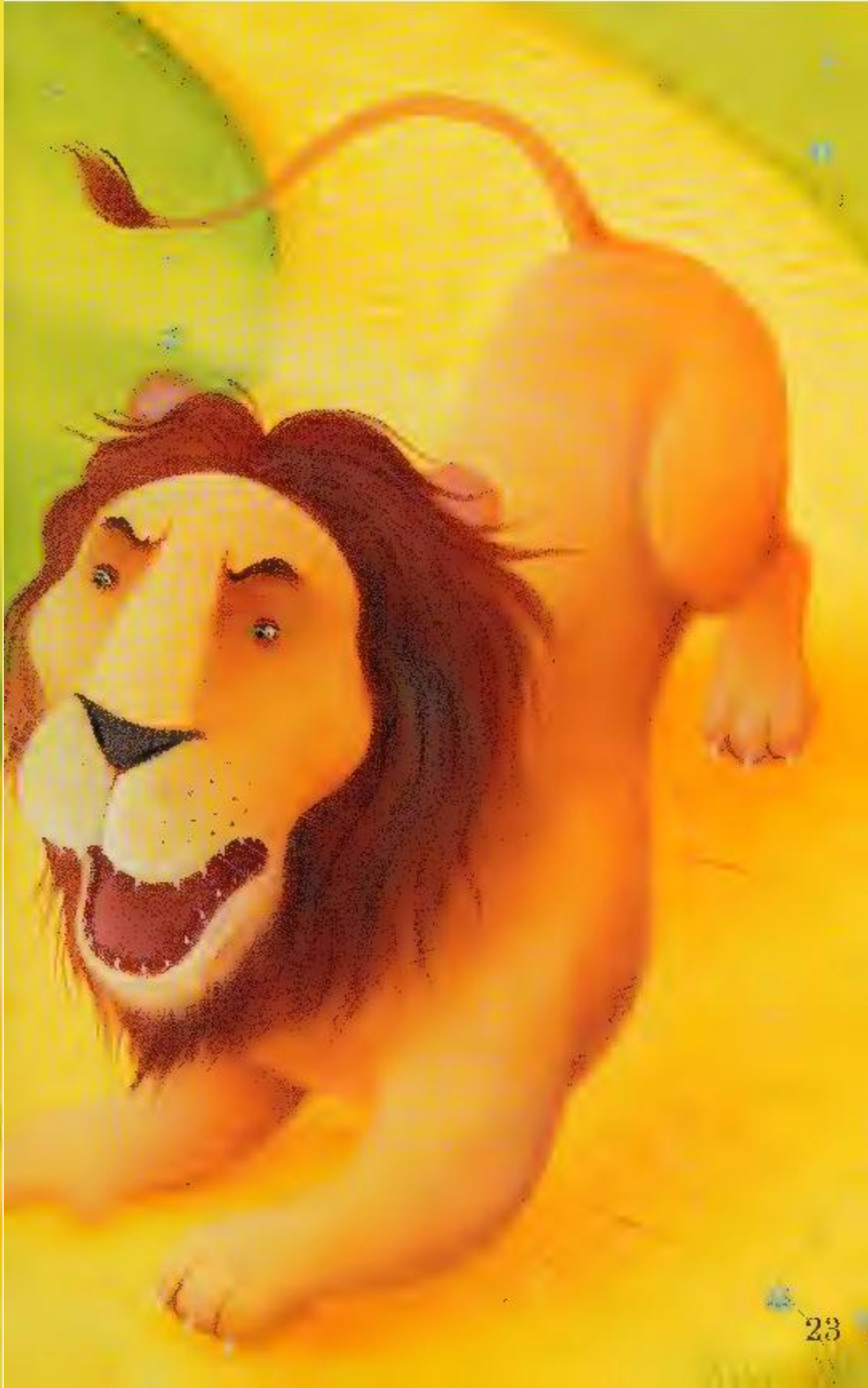

"क्या मैं भी साथ चल सकता हूँ?" शेर ने पूछा।
"पता है मैं सबसे और हर चीज़ से डरता हूँ।
मैं चाहता हूँ कि ऑज़ का जादूगर
मुझे बहादुर बना दे।"

डॉरथी अपने नए दोस्तों का साथ पा
बेहद खुश थी। वे सब के सब
पीली ईंटों से बने रास्ते पर
साथ-साथ बढ़ चले।

जल्द ही डॉरथी, टोटो, बिजूका, टिन आदमी और शेर, पन्ना नगर पहुँच गए। वहाँ सब कुछ पन्ने से बना था। एक छोटा आदमी रास्ते में खड़ा था। "हमें ऑज़ के जादूगर से मिलना है," डॉरथी ने कहा। "क्या आप हमें उसके पास ले जा सकते हैं?"

"बेशक! मेरे साथ चलो," छोटे आदमी ने कहा। और वह उन्हें एक खूबसूरत, पन्ने से बने कमरे में ले गया।

तब उन्होंने ऑज़ के जादूगर को देखा।
डॉरथी और उसके दोस्त
कुछ डरे हुए थे।
"जादूगर जी, क्या आप
हमारी मदद कर सकते हैं?" डॉरथी ने पूछा।
"तुम लोग मुझसे क्या चाहते हो?"
जादूगर ने जानना चाहा।

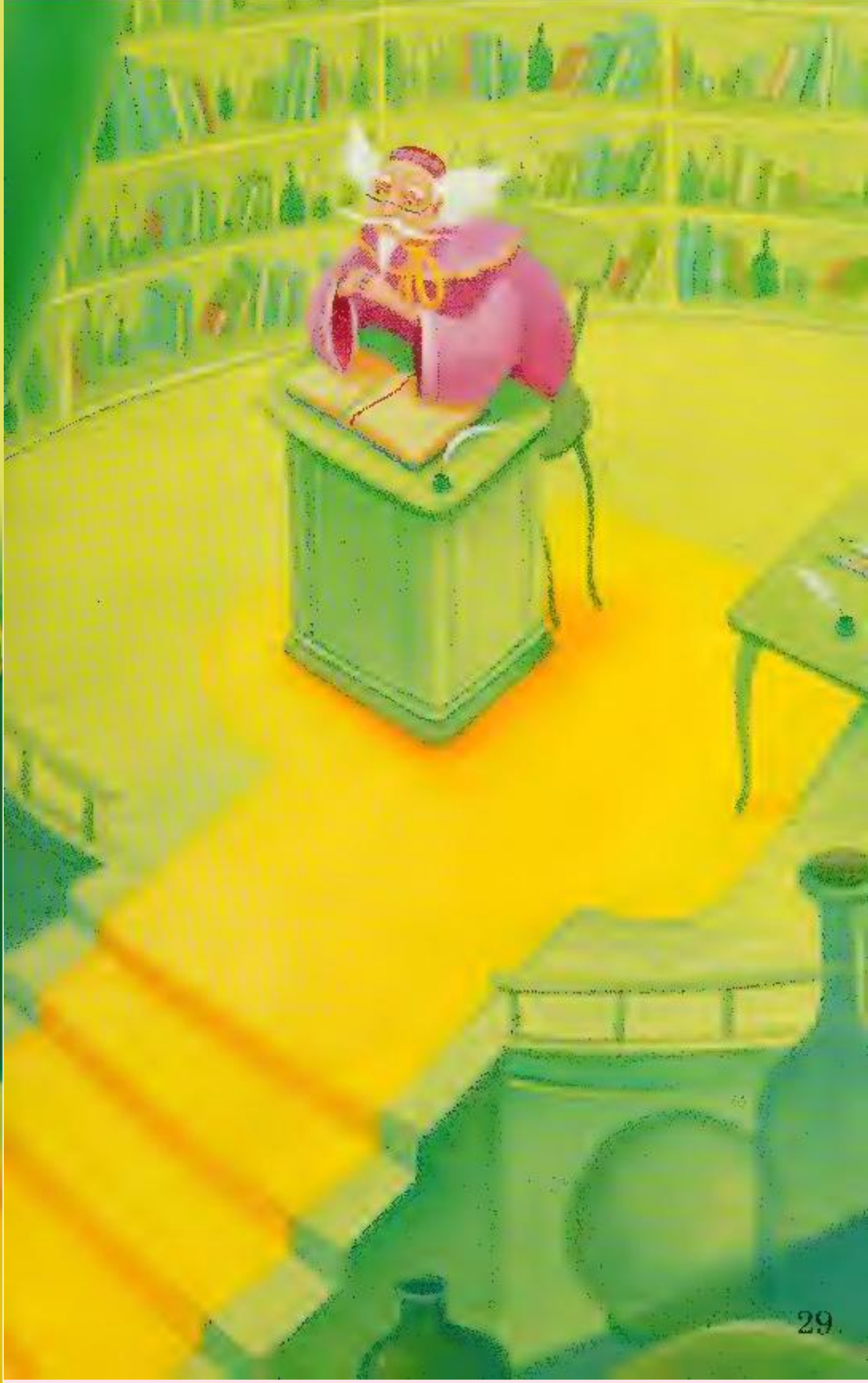

“मुझे थोड़ा-सा दिमाग चाहिए,” बिजूका ने कहा।
“मुझे एक दिल चाहिए,” टिन आदमी बोला।
“और मैं बहादुर बनना चाहता हूँ,” शेर ने कहा।
“और तुम्हें?” जादूगर ने डॉरथी से जानना चाहा।
“तुम क्या चाहती हो?”

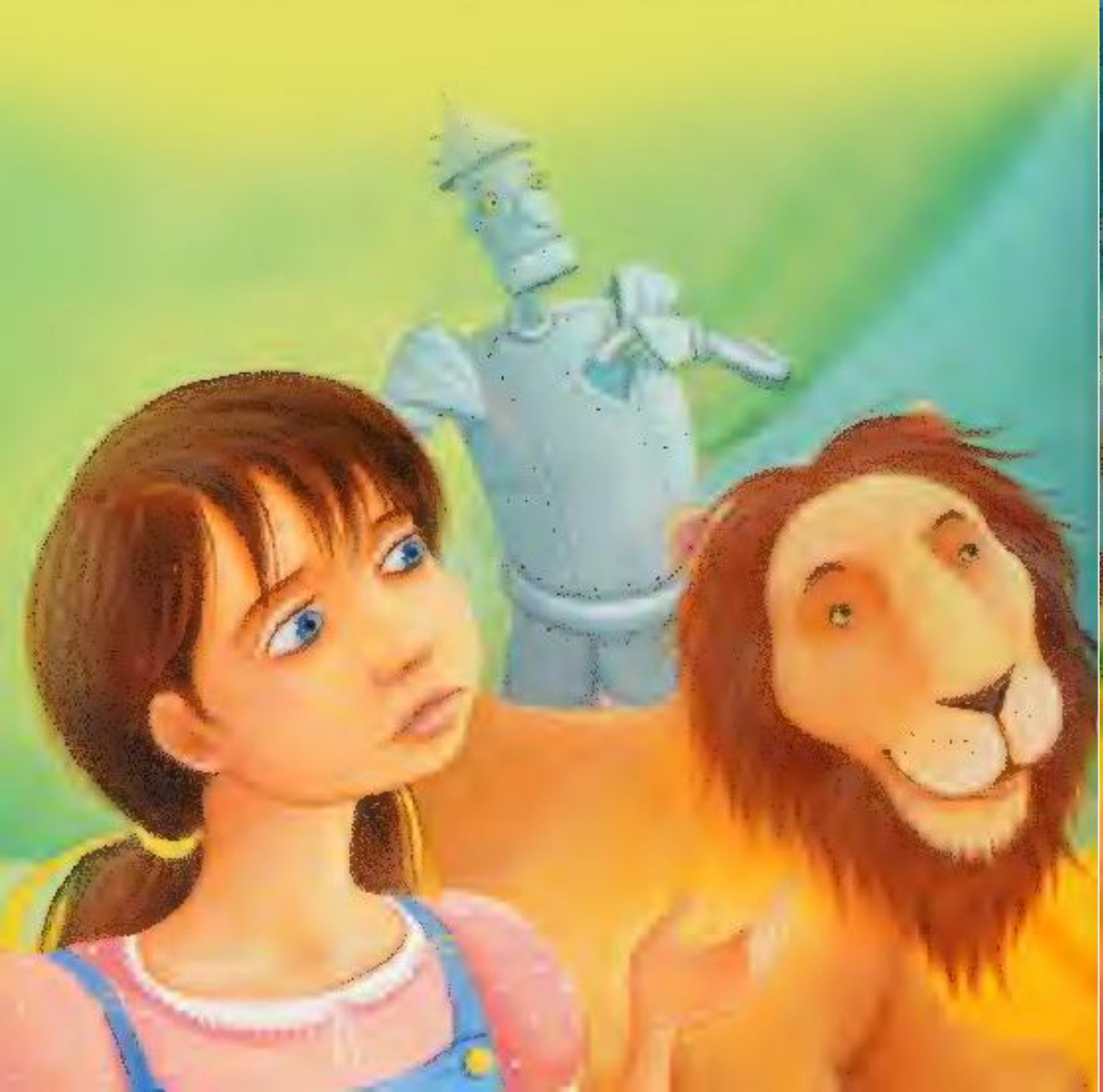

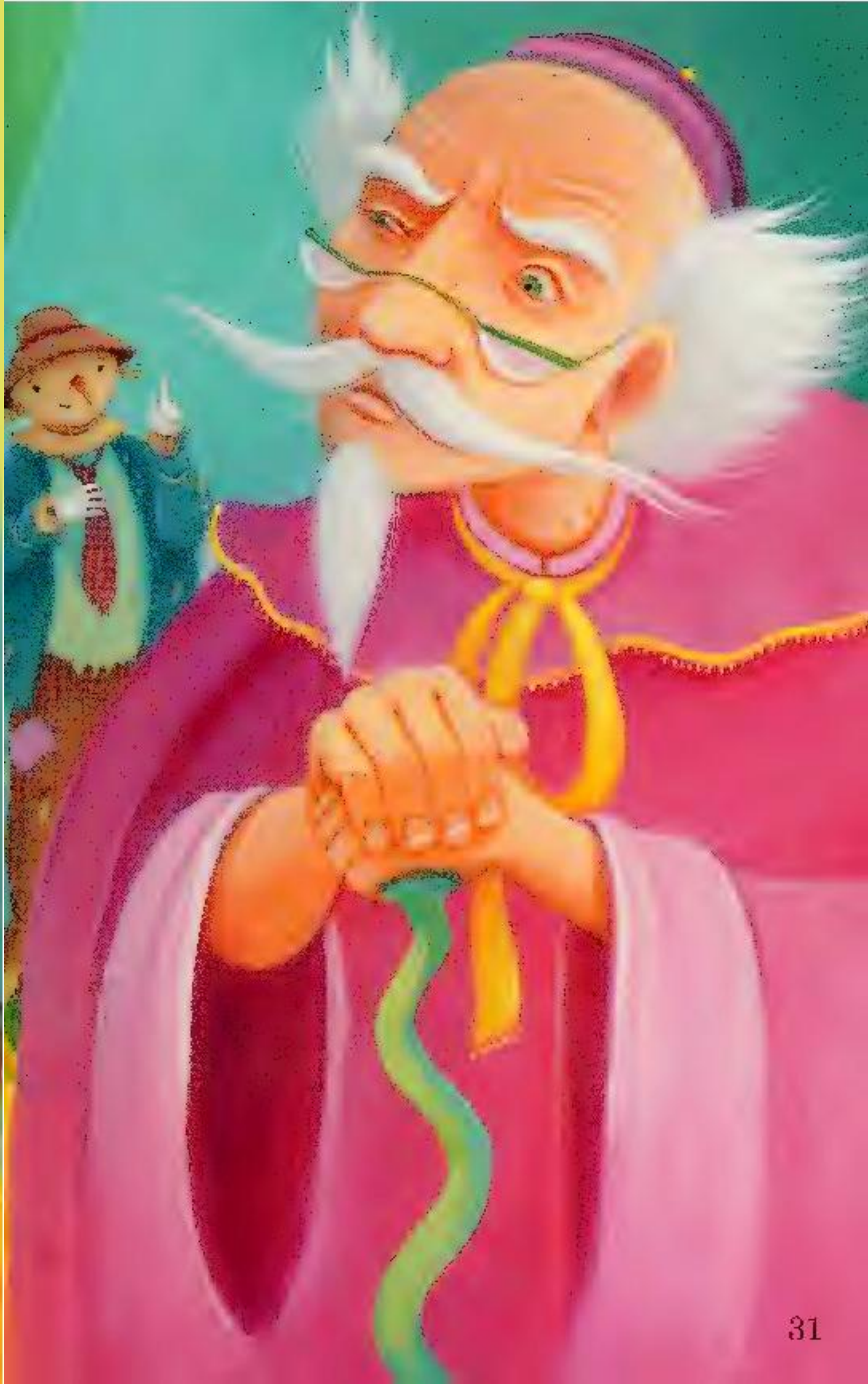

“मैं तो कैनसास में अपने घर लौटना चाहती हूँ,” डॉरथी झट से बोली।

“मैं तुम लोगों की मदद करूंगा,” जादूगर ने वादा किया।

“पर उसके पहले तुम्हें मेरी मदद करनी होगी। जाओ और आख़िरी भयानक चुड़ैल को मार डालो।”

डॉरथी और उसके दोस्त खुश नहीं थे।

क्या वे उस आख़िरी भयानक चुंडैल को मार भी सकेंगे? ऐसा करना आसान तो नहीं होगा।

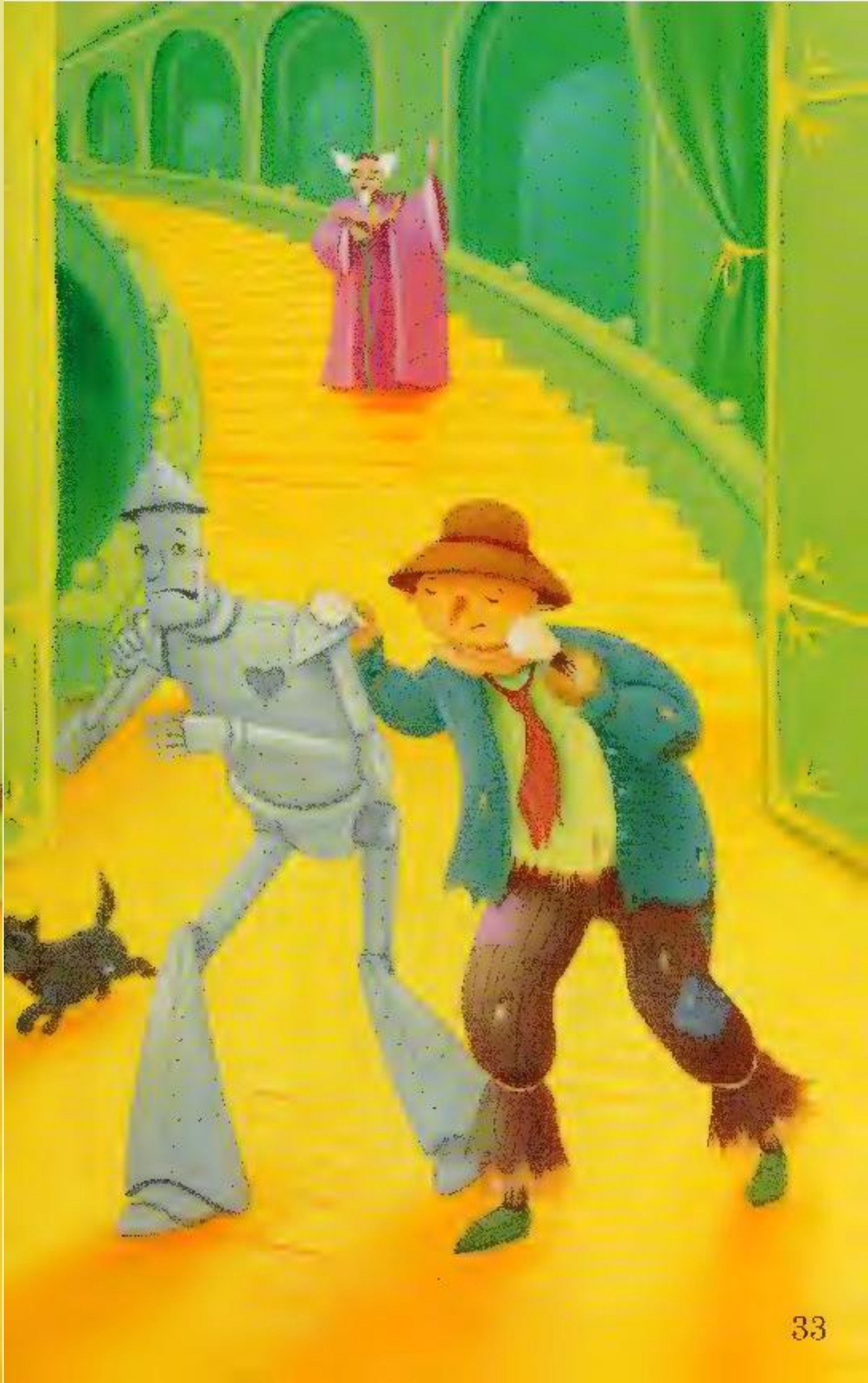

डॉरथी, टोटो, बिजूका, टिन आदमी
और शेर, भयानक चुड़ैल के किले को
ढूंढ़ने निकल पड़े।
अचानक भयानक चुड़ैल के उड़ने
वाले बन्दर आ पहुँचे! वे डॉरथी,
उसके दोस्तों और टोटो को
उठा कर चुड़ैल के किले में ले गए।

भयानक चुड़ैल डॉरथी के
जादुई जूते चाहती थी।
"अगर मेरे पास ये जूते हों, तो मैं
ऑज़ की सबसे भयंकर चुड़ैल बन जाऊंगी,"
उसने कहा।
पर डॉरथी ने जूते देने से इन्कार
कर दिया। सो चुड़ैल ने डॉरथी को किले
में काम करने पर मजबूर किया।

एक दिन चुड़ैल ने कहा, "अगर तुम
मुझे ये जादुई जूते नहीं देतीं,
तो मैं तुम्हारे छोटे-से कुत्ते को मार डालूंगी।"
डॉरथी को बड़ा गुस्सा आ गया। उसने
पानी की भर बाल्टी उठाई और सारा
पानी चुड़ैल पर उड़ेल दिया।
"गन्दी लड़की! तुम्हारा पानी मुझे मारे
डाल रहा है।" भयानक चुड़ैल चीखी
और तब अचानक वह गायब हो गई।

डॉरथी और उसके दोस्त
ऑज़ के जादूगर के पास लौटे।
“हमने आपकी मदद कर दी है,”
डॉरथी ने कहा।
“अब मेहरबानी से आप हमारी मदद करें।”
सो ऑज़ के जादूगर ने बिजूका को दिमाग
दिया, टिन के आदमी को दिल दिया
और शेर को बहादुर बना दिया।
“अब मैं सोच सकता हूँ,” बिजूका ने कहा।
“मैं अब प्यार कर सकता हूँ,” टिन आदमी बोला।
“और मैं एक बहादुर शेर हूँ,” शेर ने ऐलान किया।

"क्या आप अब डॉरथी को घर भेज सकते हैं?"
बिजूका ने पूछा।
"ना, मैं नहीं भेज सकता," जादूगर ने कहा।
"मेरा जादू इतना ताकतवर नहीं है।"
अचानक भली चुड़ैल उन सबके सामने आ खड़ी हुई।
"डॉरथी," भली चुड़ैल बोली,
"तुम अपने जूतों से कहो कि वे
तुम्हें तुम्हारे घर तक ले जाएं।"

“जूतों, मेहरबानी से मुझे मेरे घर ले चलो,” डॉरथी ने कहा।

अगले ही पल वह और टोटो खेत में

डॉरथी की मौसी और मौसा के पास थे।

और सब बेहद खुश थे।